हमने हार नहीं मानी, यही अर्जेंटीना की पहचान है : कोच लियोनेल स्कालोनी

अटलांटा

मिस्र के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक प्री-क्वार्टर फाइनल में 3-2 की शानदार वापसी जीत के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने अपनी टीम के जज़्बे की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की जीत नहीं, बल्कि अर्जेंटीना की लड़ने वाली मानसिकता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

स्कालोनी ने मैच के बाद कहा, हमने अपने समर्थकों को काफी परेशान किया, जबकि हमने कोई खराब मैच नहीं खेला। मैं ऐसे ही पलों के लिए कोच हूं। आज जो हमने देखा, उसका महत्व सिर्फ अगले दौर में पहुंचने से कहीं बड़ा है। अगर हमने आखिरी तक लड़ाई नहीं लड़ी होती, तो हम बाहर हो चुके होते।

उन्होंने कहा कि स्कोरलाइन से ऐसा लग सकता है कि टीम ने खराब प्रदर्शन किया, लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी।

उन्होंने कहा, मिस्र एक बेहतरीन टीम है और उसने अपने मौके भुनाए। लेकिन हमने भी तीन-चार बेहद अच्छे मौके बनाए थे। अगर उनमें से एक-दो गोल हो जाते तो आज कोई इस तरह की चर्चा नहीं करता। हमें अंत तक संघर्ष करना पड़ा।

जब अर्जेंटीना दो गोल से पीछे थी, तब भी स्कालोनी को भरोसा था कि उनकी टीम मैच में वापसी करेगी।

उन्होंने कहा, जब टीम मैच पर नियंत्रण खो देती है तब चिंता होती है, लेकिन आज ऐसा नहीं था। मुझे लगातार लग रहा था कि मुकाबला हमारे पक्ष में जाएगा क्योंकि हम लगातार मौके बना रहे थे। हमारी परेशानी कमजोरी नहीं, बल्कि मौकों का फायदा नहीं उठा पाना था।

मैच में कप्तान लियोनेल मेसी ने एक पेनाल्टी मिस की थी, लेकिन बाद में टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई।

स्कालोनी ने मेसी की सराहना करते हुए कहा, मेसी हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने पेनाल्टी मिस की, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने गेंद मांगना नहीं छोड़ा और लगातार टीम के लिए खेलते रहे। यही महान खिलाड़ियों की पहचान होती है।

उन्होंने कहा कि यह मुकाबला उन्हें कतर विश्व कप फाइनल की याद तो नहीं दिलाता, लेकिन भावनात्मक रूप से यह उसी तरह का अनुभव था।

उन्होंने कहा, मेसी फुटबाल ऐसे ही पलों के लिए जीते हैं। हम चाहते हैं कि जब तक वह खेल रहे हैं, ऐसे लम्हों का आनंद लेते रहें।

स्कालोनी ने जीत का श्रेय खुद लेने से भी इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, यह कहना बेकार होगा कि हम मेरी रणनीति की वजह से जीते। हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं और जरूरत पड़ने पर हम उनका सही इस्तेमाल करते हैं। इसमें कोई जादू नहीं है। फर्क खिलाड़ी पैदा करते हैं और यह बात पूरी टीम पर लागू होती है।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना स्विट्ज़रलैंड से होगा।

न्यूज ब्रीफ

सैमसन इन कारणों से टीम इंडिया से बाहर हुए

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका करियर संजू सैमसन जितना उतार-चढ़ाव भरा रहा हो। हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को जीत दिलाने वाले सैमसन को अब टीम में अपनी जगह बनाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। आगामी जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिली है। जिससे प्रशंसक हैरान हैं। इससे ये सवाल उठने लाजिमी हैं कि ऐसा क्या हुआ कि विश्व कप हीरो अचानक ही चयनकर्ताओं की प्राथमिकता सूची से बाहर हो गया है। तीन महीने पहले ही विश्व कप में अपनी निडर और मैच विजेता पारियों से टीम को मजबूत करने वाले सैमसन का बल्ला उसके बाद से खामोश है। आयरलैंड दौरे पर भी वह रन बनाने में सफल रहे। अच्छी शुरुआत को वे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए और स्ट्राइक रोटेट करने में भी संघर्ष करते दिखे। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पहले टी20 में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें दूसरे मैच में युवा वैभव सूर्यवंशी के लिए प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़ा। किसी भी खिलाड़ी के लिए बेंच पर बैठना मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है, और अब जिम्बाब्वे सीरीज से पूरी तरह बाहर होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि चयनकर्ताओं की प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। सैमसन के करियर पर मंडराते इस संकट के पीछे तीन प्रमुख कारण दिखाई देते हैं। पहला, उनका फार्म। विश्व कप की शानदार लय को वे बरकरार नहीं रख पाए। आयरलैंड और इंग्लैंड में छोटी पारियां उनके खिलाफ गईं, जो टी20 क्रिकेट में चयन पर सीधा असर डालती हैं। दूसरा, टीम इंडिया में विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भारत को 125 रन से रौंदा, टीम इंडिया सिर्फ 76 रन पर ढेर

नाटिंघम। इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज में मंगलवार को खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में भारत को 125 रन के बड़े अंतर से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के सामने पूरी तरह बिखर गई और सिर्फ 76 रन पर सिमट गई। भारत की शुरुआत आक्रामक रही। अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन जोश टंग और जोफ्रा आर्चर ने शुरुआती झटके देकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत ने पहले छह ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए और इसके बाद पूरी टीम 11.4 ओवर में आलआउट हो गई। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने चार विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि जोफ्रा आर्चर ने तीन और आदिल रशीद ने दो विकेट अपने नाम किए। इससे पहले इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए। फिल साल्ट ने 70 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सैम करन 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। जोस बटलर ने 36 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से प्रिंस यादव और हर्षित राणा ने दो-दो विकेट लिए।

जिम्बाब्वे दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना रहेगा युवा गेंदबाज अशोक का लक्ष्य

मुम्बई। जिम्बाब्वे दौर के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल तेज गेंदबाज अशोक शर्मा का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। राजस्थान के जयपुर के छोटे से गांव रामपुरा से निकलकर भारतीय टीम में जगह बनाने वाले अशोक की खासियत उनकी गेंदबाजी की रफ्तार रही है। जिसके कारण वह अन्य प्रतियोगियों से आगे निकले। आईपीएल 2026 में 23 साल के अशोक ने 154.2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सभी को प्रभावित किया था। अशोक का लक्ष्य अब दौरे में अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाना है। टीम इंडिया में चयन को अशोक ने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह उनके बचपन का सपना था और वह इस अवसर का लाभ उठाकर टीम के लिए अपना योगदान देना चाहते हैं। अशोक ने आईपीए 2026 में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही 154.2 किमी प्रति घंटे की अविश्वसनीय गति से गेंद फेंकी, जो पूरे सीजन की सबसे तेज गेंद साबित हुई। इस सीजन में उन्होंने कुल छह मैच खेले और छह विकेट लिए। भले ही उनके आंकड़े बहुत प्रभावशाली न दिखें, लेकिन उनकी असाधारण गति और आक्रामक गेंदबाजी ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट में फिन एलन समेत चार खिलाड़ी शामिल

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने 2026-27 सत्र के लिए फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, टिम साइफर्ट और एडम मिल्ने को कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट प्रदान किया है। चारों खिलाड़ी सीमित ओवरों के विशेषज्ञ हैं और आगामी घरेलू भारत दौरे के लिए चयन की दौड़ में बने रहेंगे। इन खिलाड़ियों को अक्टूबर-नवंबर में भारत के खिलाफ होने वाली पांच टी20 और पांच वनडे मैचों की सीरीज के लिए उपलब्ध रखा जाएगा। इसके अलावा वे 2027 वनडे विश्व कप और उसके बाद होने वाले टी20 विश्व कप की योजनाओं का भी हिस्सा रहेंगे।

पिछले अनुबंध चक्र में कैजुअल कान्ट्रैक्ट पर रहने वाले पूर्व कप्तान केन विलियमसन अब इस सूची में शामिल नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं जेम्स नीशम ने आकलैंड के साथ घरेलू अनुबंध किया है, जबकि डेवोन कानवे और ब्लेयर टिकनर की केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी हुई है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा कि फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम साइफर्ट को फिर से अनुबंध कार्यक्रम में शामिल करके बोर्ड बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि इन चारों खिलाड़ियों ने कई मौकों पर ब्लैककैप्स के लिए मैच जिताने वाली पारियां और प्रदर्शन किए हैं। दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने से उन्हें अनुभव मिलता है, जिसका फायदा न्यूजीलैंड टीम को भी मिलता है।

चारों खिलाड़ी इस समय मेजर लीग क्रिकेट 2026 में खेल रहे हैं। टिम साइफर्ट सिएटल आर्कास, फिन एलन सैन फ्रांसिस्को यूनिकार्न्स, लाकी फर्ग्यूसन वाशिंगटन फ्रीडम और एडम मिल्ने टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं।

इससे पहले जून में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 20 खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की थी, जिसमें डेवोन कानवे और ब्लेयर टिकनर की वापसी हुई थी, जबकि अब चार खिलाड़ियों को कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट देकर सीमित ओवरों की योजनाओं में शामिल रखा गया है।

न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची (2026-27)..

टाम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कानवे, जैकब डफी, जैक फाल्क्स, मिच हे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टाम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

- कैजुअल प्लेइंग कान्ट्रैक्ट
- फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन,
- टिम साइफर्ट, एडम मिल्ने।

मेरी पहली प्राथमिता आस्ट्रेलियाई टीम से खेलना : कमिंस

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता आस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरुरी है। ऐसे में वह कार्यभार प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरुरी मानने है। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान ओर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। उनका कहना है कि अगले एक साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का अवसर भी रहेगा। इस दौरान आस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हैं। आस्ट्रेलिया का यह व्यस्त कार्यक्रम 2027 में एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त होगा। वहीं मार्च में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच भी होगा। इसी बीच आईपीएल भी पड़ेगा। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज खेली जाएगी। कमिंस आस्ट्रेलिया के लिए सीरीज को जीतना चाहते हैं। इसका कारण है कि टीम ने साल 2001 के बाद से ही कोई सीरीज नहीं जीती है। कमिंस ने कहा कि फिटनेस बनाये रखने के लिए न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या एकदिवसीय विश्व कप तो नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या सही रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें भी लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह चाहता। हालांकि उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमेशा से ही टेस्ट मैच और एकदिवसय विश्व कप ही हैं।

वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ जीती टेस्ट सीरीज, दूसरा मैच ड्रा

एंटीगा

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। एंटीगा में खेला गया दूसरा और अंतिम टेस्ट मुकाबला मंगलवार को ड्रा रहा, जिससे मेजबान टीम ने 23 वर्षों बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा किया। साथ ही फरवरी 2023 के बाद यह वेस्टइंडीज की पहली टेस्ट सीरीज जीत भी है।

पहले टेस्ट में पारी और बड़े अंतर से जीत दर्ज करने के बाद वेस्टइंडीज सीरीज में 1-0 से आगे था। दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने अंतिम दिन तेजी से रन बनाकर जीत की कोशिश की।

कप्तान धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुषा और मिलान रत्नायके ने तेज़ पारियां खेलीं, जिससे श्रीलंका ने दूसरी पारी 251/9 पर घोषित करते हुए वेस्टइंडीज के सामने 362 रन का लक्ष्य रखा।

हालांकि अंतिम सत्र में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जान कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने बिना किसी नुकसान के 109 रन जोड़ दिए। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतक पूरे किए और इसके बाद दोनों टीमों ने ड्रा पर सहमति जताई।

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 549/9 घोषित किए थे। लाहिरू उदारा ने 188 रन, सोनल दिनुषा ने 92 और कमिंदु मेंडिस ने 84 रन बनाए।

जवाब में वेस्टइंडीज ने जस्टिन ग्रीव्स के 180 और शाई होप के 112 रन की बदौलत 499 रन बनाए। श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने पहली पारी में पांच विकेट झटके।

संक्षिप्त स्कोर

श्रीलंका: 549/9 घोषित और 251/9 घोषित, लाहिरू उदारा 188, सोनल दिनुषा 92, कमिंदु मेंडिस 84 व 44, अल्जारी जोसेफ 2/44, जेडन सील्स 2/98।

वेस्टइंडीज: 499 और 109/0
जस्टिन ग्रीव्स 180, शाई होप 112, जान कैंपबेल नाबाद 51, ब्रैंडन किंग नाबाद 51, असिथा फर्नांडो 5/130।

परिणाम: दूसरा टेस्ट ड्रा, वेस्टइंडीज ने दो मैचों की सीरीज 1-0 से जीती।

पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया को हराकर स्विट्ज़रलैंड क्वार्टर फाइनल में

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड ने मंगलवार को रोमांचक मुकाबले में कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त 30 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने के बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। पेनल्टी शूटआउट में स्विट्ज़रलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कुचो हर्नांडेज़ की पेनल्टी रोककर टीम की जीत की नींव रखी। इससे पहले कोलंबिया के डेविंसन सांचेज़ की पेनल्टी क्रासबार से टकरा गई थी। स्विट्ज़रलैंड के मैनुएल अकांजी अपनी पेनल्टी चूक गए, लेकिन रुबेन वर्गास ने निर्णायक किक को गोल में बदलते हुए टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्विट्ज़रलैंड ने 1954 के बाद पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उसका सामना गत चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। वहीं, कोलंबिया का दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। इससे पहले उसने 2014 विश्व कप में अंतिम आठ में जगह बनाई थी, लेकिन इस बार पेनल्टी शूटआउट में मिली हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया।

सौरव गांगुली की बायोपिक दादा-द सौरव गांगुली स्टोरी का फर्स्ट लुक जारी, 14 मई 2027 को होगी रिलीज

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के जन्मदिन (8 जुलाई) के मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित बायोपिक दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का पहला पोस्टर बुधवार को जारी कर दिया गया। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया। यह फिल्म 14 मई 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

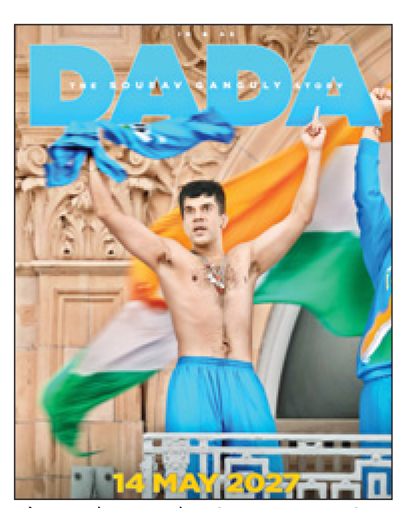

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में राजकुमार राव सौरव गांगुली के ऐतिहासिक लार्ड्स बालकनी में जर्सी लहराने वाले प्रतिष्ठित अंदाज को दोहराते नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 के नैटवेस्ट ट्राफी फाइनल में इंग्लैंड पर भारत की यादगार जीत के बाद का है, जिसे भारतीय क्रिकेट के नए और निडर दौर की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

गांगुली बोले- जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा

सौरव गांगुली ने फर्स्ट लुक जारी होने पर कहा, जन्मदिन हमेशा खास होता है और आज मेरी बायोपिक दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी का फर्स्ट लुक सामने आना इसे और भी यादगार बना देता है। यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन जन्मदिन का उपहार है। पोस्टर ने मेरे क्रिकेट करियर की सबसे यादगार यादों को फिर से जीवंत कर दिया। राजकुमार राव ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि दर्शक 14 मई 2027 को सिनेमाघरों में इस फिल्म का भरपूर आनंद लेंगे।

गांगुली के संघर्ष और नेतृत्व की कहानी दिखाएगी फिल्म

फिल्म में सौरव गांगुली के युवा क्रिकेटर से भारतीय टीम के सबसे प्रभावशाली कप्तानों में से एक बनने तक के सफर को दिखाया जाएगा। इसमें उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और भारतीय क्रिकेट की सोच बदलने वाले फैसलों को बड़े पर्दे पर पेश किया जाएगा।

फिल्म का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवाने ने किया है। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। फिल्म को टी-सीरीज और डीबीएल प्रस्तुत कर रहे हैं। दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी 14 मई 2027 को विश्वभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमेरिका में तेजी से बढ़ रही क्रिकेट की लोकप्रियता

न्यूयार्क

अमेरिका में अब क्रिकेट की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ती जा रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) रहा है। एमएलसी का चौथा सीजन भी चल रह है जिससे दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ी अलग अलग टीमों से खेल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार जिस प्रकार से देश में नए स्टेडियमों का निर्माण हो रहा है उससे भी खेल के बढ़ते रुझान का अंदाजा होता हे। इसके साथ ही साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किये जाने से भी इसका आकर्षण बढ़ा है। इससे साफ है कि अमेरकी धरती पर क्रिकेट धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है।

एमएलसी लीग में अभी छह टीमें खिताब के लिए उतरी हैं। अगले सत्र तक इसमें आठ टीमों को शामिल करने कीयोजना है, जो देश में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का एक स्पष्ट संकेत है। इस लीग ने न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच दिया है, बल्कि इसने अंतरराष्ट्रीय सितारों को भी अमेरिकी मैदानों पर आकर्षित किया है, जिससे दर्शकों की रुचि बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक गेम चेंजर साबित होगी। ये भी कहा जा रहा है कि जब ओलंपिक में क्रिकेट मैचों के बाद अमेरिका के स्थानीय लोग भी इसे गंभीरता से अपनाएंगे। इससे खेल को एक नई पहचान मिलेगी और इसकी लोकप्रियता में तेजी आएगी। यह उम्मीद की जा रही है कि ओलंपिक मंच क्रिकेट को एक वैश्विक दर्शक वर्ग प्रदान करेगा और अमेरिकी युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। एमएलसी में कई बेहतरीन क्रिकेटर खेल रहे हैं। भारत को 2012 अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद साल 2021 से ही अमेरिका में क्रिकेट खेल रहे हैं, ने पिछले पांच वर्षों में यहां खेल के तेजी से विकास को देखा है। उनका कहना है कि हर साल कुछ नया देखने को मिल रहा है। हाल ही में लास एंजिलिस में एक क्रिकेट स्टेडियम का तैयार होना इस विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। एलए नाइट राइडर्स ने कैलिफोर्निया के पोमोना में इस नए अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया है, जिसमें आठ पिच, आईसीसी मानकों के अनुरूप आउटफील्ड और 120 फीट ऊंचे छह फ्लडलाइट टावर शामिल हैं। यही मैदान 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी करेगा, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है। मेजर लीग क्रिकेट में दुनिया भर के कई बड़े अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें रविचंद्रन अश्विन, फाफ डु प्लेसिस, केशव महाराज, सुनील नारायण, मार्कस स्टोइनिस, कुसल परेरा, रचिन रवींद्र, हारिस रऊफ, उन्मुक्त चंद और जेसन होल्डर जैसे नाम शामिल हैं। इन सितारों की उपस्थिति लीग को वैश्विक पहचान दिला रही है। हालांकि, हरमीत सिंह इस बात पर जोर देते हैं कि अमेरिका में क्रिकेट की स्थायी सफलता के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा आवश्यक है। उनके अनुसार, अभी देश में केवल तीन-चार प्रमुख क्रिकेट स्टेडियम हैं, और अधिक शहरों में मैदान, प्रशिक्षण केंद्र तथा बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है।